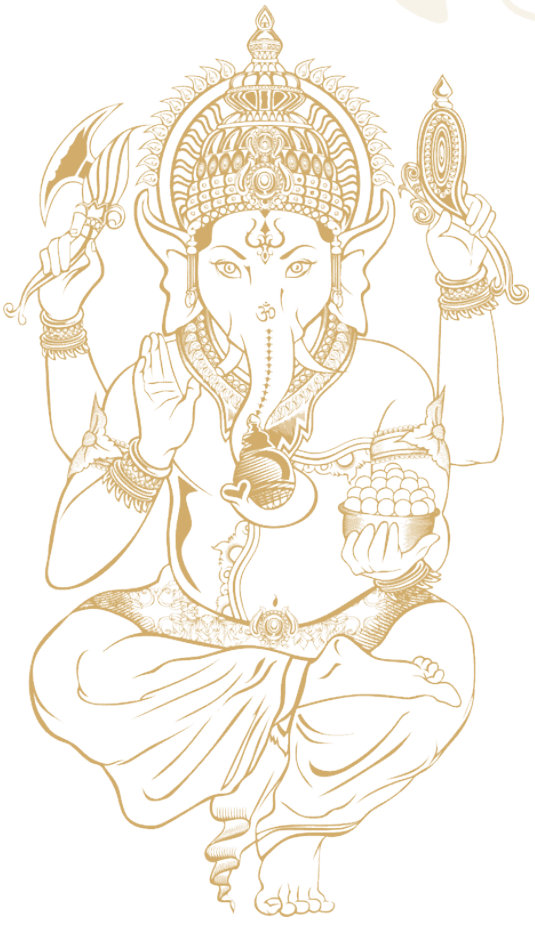

# Mr.Vaibhav

# Ms.Gayatri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121404802

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 12-13/06/1999 | जन्म तिथि | 22/12/2005 |
| शनि-रविवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 01:45:00 | जन्म समय | 08:00:00 घंटे |
| घटी 49:59:29 | जन्म समय(घटी) | 02:31:55 घटी |
| India | देश | India |
| Jamner | स्थान | Jamner |
| 20:47:00 उत्तर | अक्षांश | 20:47:00 उत्तर |
| 75:52:00 पूर्व | रेखांश | 75:52:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:32 | स्थानिक संस्कार | -00:26:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:45:12 | सूर्योदय | 06:59:13 |
| 19:07:42 | सूर्यास्त | 17:51:11 |
| 23:50:45 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:56:23 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चन्द्र 6वर्ष 11मा 18दि | | 19:34:02 | मीन | लग्न | धनु | 19:50:44 | शुक्र 13वर्ष 3मा 24दि | |
| राहु | | 27:34:31 | वृष | सूर्य | धनु | 06:23:46 | चन्द्र | |
| 01/06/2013 | | 14:02:31 | वृष | चंद्र | सिंह | 17:47:22 | 16/04/2025 | |
| 01/06/2031 | | 01:04:23 | तुला | मंगल | मेष | 15:11:30 | 16/04/2035 | |
| राहु | 12/02/2016 | 16:48:17 | मिथु | बुध | वृश्चि | 17:27:24 | चन्द्र | 14/02/2026 |
| गुरु | 07/07/2018 | 03:27:33 | मेष | गुरु | तुला | 17:41:05 | मंगल | 15/09/2026 |
| शनि | 13/05/2021 | 12:54:55 | कर्क | शुक्र | मक | 07:25:16 | राहु | 16/03/2028 |
| बुध | 01/12/2023 | 18:32:43 | मेष | शनि व | कर्क | 16:34:02 | गुरु | 16/07/2029 |
| केतु | 18/12/2024 | 20:25:03 | कर्क व | राहु व | मीन | 15:46:19 | शनि | 15/02/2031 |
| शुक्र | 19/12/2027 | 20:25:03 | मक व | केतु व | कन्या | 15:46:19 | बुध | 16/07/2032 |
| सूर्य | 12/11/2028 | 22:45:24 | मक व | हर्ष | कुंभ | 13:27:06 | केतु | 14/02/2033 |
| चन्द्र | 14/05/2030 | 10:10:28 | मक व | नेप | मक | 21:44:07 | शुक्र | 16/10/2034 |
| मंगल | 01/06/2031 | 14:56:22 | वृश्चि व | प्लूटो | धनु | 00:35:02 | सूर्य | 16/04/2035 |

## लग्न-चलित

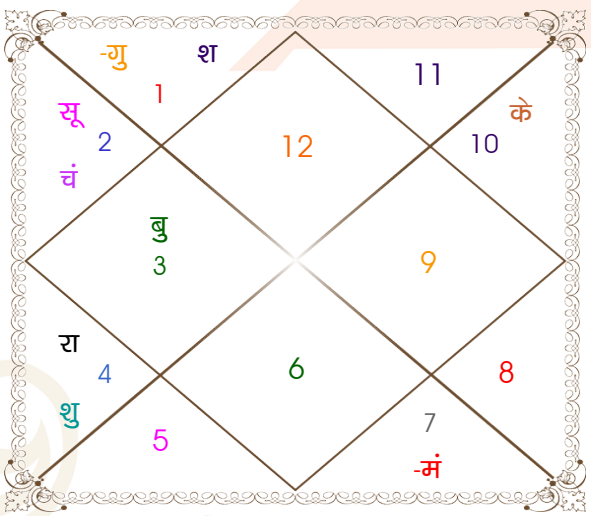


## लग्न-चलित

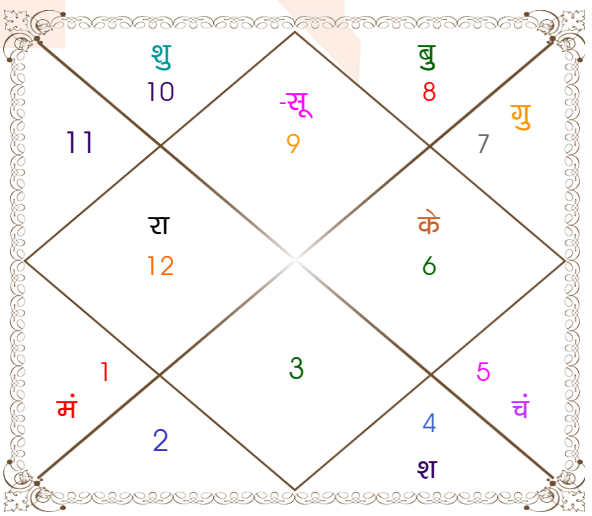

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | क्षत्रिय | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | वनचर | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सर्प | मूषक | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | सूर्य | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृष | सिंह | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

Mr.Vaibhav का वर्ग मृग है तथा Ms.Gayatri का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Vaibhav और Ms.Gayatri का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.Vaibhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.Gayatri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.Gayatri कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Vaibhav तथा Ms.Gayatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।